श्री जैन युवक महासंघ पुणे द्वारा प्रकाशित

REG. NO. MAHHIN/2013/57347

प्रेरक – प. पू. गणिवर्य नयपद्म सागरजी म. सा.

युवा महासंघ

संपादक : अचल व्ही. जैन

वर्ष : १, अंक : १ पुणे (महाराष्ट्र) बुधवार, १ जनवरी २०२५

जैन पेविलियन को मिला लोगों का उत्स्फूर्त प्रतिसाद

पुणे के एस. पी. कॉलेज में श्री हिंदू सेवा महोत्सव का शानदार आयोजन

पुणे : पुणे के एस. पी. कॉलेज में श्री हिंदू सेवा महोत्सव का शानदार आयोजन किया गया था. इसमें युवा साथियों द्वारा जैन पेविलियन का भव्य आयोजन किया गया था.

जैन पेविलियन में जैन धर्म का इतिहास की झाकी, श्रीरत्न मंदिर जिस में अनेक किमती रत्नों की रत्न जड़ित मूर्तियां, श्रमा मंदिर, श्रुत भवन द्वारा श्रुत पर की का रिसर्च की विस्तृत जानकारी, जैन इतिहास, जैन भूगोल एवं जैन विज्ञान पर डाक्यूमेंट्री फ़िल्म का आयोजन किया गया था.

इसके साथ ही भगवान श्री महावीर स्वामी के उपसर्ग पर लेजल शो का भी आयोजन किया गया था. जैन पेविलियन के आयोजन का मुख्य उद्देश जैन धर्म के जानकारी अन्य धर्मी को देना और जैन धर्म का प्रचार करना था. जैन पेविलियन देखने के लिए लोगों की भीड लगी थी, यह जानकारी युवक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरेश कुमारपाल शाह ने दी.

आर्यों ने द्रविड़ों को खदेड़ा, यह अंग्रेजों का झूठ : भागवत

नागपुर : आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने गुरुवार को नागपुर में एक कार्यक्रम में कहा कि अंग्रेजों ने सच को छिपाया और हमारे दिमाग में कई झूठ भरे। उन्होंने कहा था कि भारत में जो लोग दिखते हैं, वे बाहर से आए हैं।

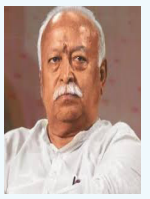

अंग्रेजों ने झूठ फैलाया था कि बाहर से आए लोगों को द्रविढ़ों ने जंगल में खदेड़ा। फिर आर्य लोग आए, जिन्होंने द्रविड़ों से लड़ाई की और द्रविड़ों को पीछे की ओर खदेड़ दिया। यह अंग्रेजों का फैलाया हुआ झूठ है।

भागवत सोमलवार एजुकेशन सोसाइटी के ७०वें स्थापना दिवस के मौके पर २१वीं सदी में शिक्षकों की भूमिका पर भाषण दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा– अंग्रेज कहते हैं कि कोई बाहर से आया, यहां के लोगों को मारा–पीटा और खुद राजा बन गया। उनके मुताबिक, राज करना इस देश के लोगों के खून में नहीं है।

भागवत ने कहा कि अंग्रेज ऐसे थे, जैसे कोई धर्मशाला में रहने आए हो। इस थ्योरी को पूरी दुनिया ने नकार दिया है। अब इस पर कोई यकीन नहीं करता है, लेकिन हमारे देश के लोगों से यह बात निकल नहीं रही है।

ब्रिटिश शासक भारत की विरासत को भुला देना चाहते थे

१८५७ में ब्रिटिश शासकों को एहसास हुआ कि जातियों, संप्रदायों, भाषाओं, भौगोलिक असमानताओं को लेकर आपस में लड़ाने के बावजूद भारत के लोग तब तक एकजुट रहेंगे जब तक कि वे विदेशी आक्रमणकारियों को देश से बाहर नहीं निकाल देते। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि ब्रिटिश शासकों ने कुछ ऐसा करने का फैसला लिया, जिससे भारतीयों की एकजुट रहने की विशेषता खत्म हो जाए और यह सुनिश्चित हो जाए कि ब्रिटिश शासन हमेशा के लिए बना रहे।

बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट, ११ करोड़ वसूले

बेंगलुरु : बेंगलुरु के हेब्बल में ३९ साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए। ठगों ने उन्हें डरा–धमकाकर ११.८ करोड़ रुपए वसूल लिए। बाद में शक होने पर इंजीनियर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामला एक महीने पुराना है। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक शख्स ने २५ नवंबर से १२ दिसंबर के बीच पैसे गंवाए। ठगों ने इंजीनियर को टीआरआईए (टेलिकॉम रेगुलेरिटी ऑफ इंडिया) अधिकारी बनकर कॉल किया था और आधार–सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया था।

विधायक माधुरी मिसाल, ललित गांधी का सन्मान

■ **सकल जैन संघ की ओर से आयोजन**

पुणे : विधानसभा चुनाव में विजयी विधायक माधुरी मिसाल और जैन अल्पसंख्यक महामंडल के अध्यक्ष ललित गांधी का सन्मान जैन समाज की ओर से किया गया.

इस अवसर पर विजयकांत काठोरी, फतेहचंद रांका, वालचंद संचेती, विलास राठोड, पोपट ओसवाल, महावीर कटारिया, विजय भंडारी, प्रकाश पारेख, अनिल नहार, अचल जैन, संदीप भंडारी के साथ मित्र परिवार उपस्थित था.

मनमोहन सिंह का ९२ साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का ९२ साल की उम्र में गुरुवार रात निधन हो गया। उन्हें रात ८:०६ बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) लाया गया था। वे घर पर बेहोश हो गए थे।

हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां रात ९:५१ बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। वे लंबे समय से बीमार थे। मनमोहन सिंह, २००४ में देश के १४वें प्रधानमंत्री बने और मई २०१४ तक इस पद पर दो टर्म रहे। वे देश के पहले सिख और चौथे सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे।

केंद्र सरकार ने ७ दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। साथ ही शुक्रवार को होने वाले सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए गए हैं। डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बेलगावी से देर रात दिल्ली पहुंचने के बाद सीधे मोतीलाल नेहरू मार्ग पर स्थित मनमोहन सिंह के आवास गए थे। मनमोहन सिंह के निधन पर राहुल ने लिखा– मैंने अपना मार्गदर्शक और गुरु खो दिया है। इस बीच, कर्नाटक के बेलगावी में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) मीटिंग रद्द कर दी गई है।

मनमोहन सिंह को पीएम नहीं बनाना चाहते थे लालू

डॉ. मनमोहन सिंह को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव प्रधानमंत्री नहीं बनाना चाहते थे। उन्होंने उनका विरोध किया था। हालांकि, सोनिया गांधी के मनाने पर वो मान गए थे।

लालू यादव अपनी आत्मकथा गोपालगंज टू रायसीना : माई पॉलिटिकल जर्नी में लिखते हैं, २००४ में मेरे पास राजद के २२ सांसद थे। मेरा मानना था कि अगर सोनिया जी प्रधानमंत्री बनती हैं तो यह मेरी विचारधारा की जीत होगी, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान विरोधियों ने सोनिया जी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। मैं उनके अलावा किसी और नाम को स्वीकार नहीं कर सकता था।

जब उन्होंने मुझसे कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में स्वीकार कर लूं, तो मैंने मना कर दिया। इसके बाद वह मनमोहन सिंह के साथ मेरे आवास पर आईं और कारण जानना चाहा कि मैं डॉ. सिंह को समर्थन क्यों नहीं देना चाहता? मनमोहन बतौर वित्त मंत्री देश में उदारीकरण लाए: नरसिम्हा राव ने कहा था– सफल हुए तो श्रेय हम दोनों को, नाकाम हुए तो आप जिम्मेदार.

नरसिम्हा राव १९९१ में प्रधानमंत्री बने तो वे कई चीजों के एक्सपर्ट बन चुके थे। स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय वे पहले देख चुके थे। वो विदेश मंत्री भी रह चुके थे। उनका एक ही विभाग में हाथ तंग था और वो था वित्त मंत्रालय। प्रधानमंत्री बनने से दो दिन पहले कैबिनेट सचिव नरेश चंद्रा ने उन्हें ८ पेज का एक नोट दिया था, जिसमें बताया गया था कि भारत की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है।

एम्स में ली आखिरी सांस

- १९५७ ते १९६५ – पंजाब विश्वविद्यालय में शिक्षक थे.
- १९८२ ते १९८५ – भारतीय रिझर्व्ह बँकेचे गव्हर्नर थे.
- १९८५ ते १९८७ – नियोजन उपाध्यक्ष थे.
- १९९० ते १९९१ – प्रधानमंत्री के आर्थिक सल्लागार थे.
- १९९१ – वित्तमंत्री बने.
- १९९१ – पहली बार राज्यसभेचे सदस्य बने.
- २००१– राज्यसभा में विपक्षी नेता.
- २००४ ते २०१४– भारत के प्रधानमंत्री बने.

रूस का क्रिसमस पर पूरे यूक्रेन में हमला

कीव : रूस ने २५ दिसंबर को यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले किए हैं। यूक्रेनी एयरफोर्स के मुताबिक रूस ने क्रिसमस पर ७८ मिसाइलों और १०६ ड्रोनों दागे। इसमें २१ लोग घायल हुए हैं जबकि १ की मौत हो गई है।

यूक्रेनी मीडिया के मुताबिक सबसे बड़ा हमला खार्किव शहर पर किया गया। इसके अलावा निप्रो, क्रेमेनचुक, क्रिवी रिह और इवानो-फ्रैंकिवस्क पर भी हमले हुए। यहां एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया।

लोकल मीडिया के मुताबिक रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल से भी हमले किए हैं। रूस ने ब्लैक सी से ये मिसाइलें दागीं। खार्किव के गवर्नर ने बताया कि रूस ने उनके शहर पर कम से कम ७ मिसाइलें दागीं जिसमें ६ लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के कई शहरों ने हमले के बाद बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे अमानवीय करार दिया है। उन्होंने कहा कि पुतिन इंसान नहीं हैं। उन्होंने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस का दिन चुना। वहीं, यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीइके ने कहा कि रूस का यूक्रेनी एनर्जी सिस्टम पर १३वां बड़ा हमला है।

लाडली बहनों को उम्मीद थी २१०० की, मिलेंगे १५०० रुपये

- दिसंबर की किस्त खाते में ट्रांसफर होनी शुरू

मुंबई : सरकार ने मंगलवार से लाडली बहन योजना की दिसंबर महीने की किश्त का भुगतान मंगलवार से शुरू कर दिया है। किस्त का पैसा योजना की लाभार्थियों के बैंक खाते में जमा होगा। इस महीने पहले की तरह सिर्फ १५०० रूपये ही खाते में जमा होंगे। चुनाव प्रचार के दौरान सरकार ने २१०० रूपये देने का वादा किया था, लेकिन हर महीने २१०० रूपये पाने के लिए लाडली बहनों को मार्च तक इंतजार करना होगा। मार्च में बजट के बाद ही पैसा बढ़ा कर दिया जाएगा।

चुनाव से पहले मिले थे ३००० रूपये

विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने लाभार्थी लाडली बहनों के बैंक खातों में एक साथ ३००० रूपये जमा कराए थे। ये ३००० रूपये १५०० रूपये के हिसाब से अक्टूबर और नवंबर की दो किश्तों के एक साथ जमा कराए गए थे। इसके साथ ही सरकार ने चुनाव जीतने के बाद रकम बढ़ाकर हर महीने २१०० रूपये करने का वादा किया था। इसके लिए लाभार्थी महिलाएं उम्मीद कर रहीं थीं कि इस महीने उनके खाते में २१०० रूपये आएंग, लेकिन सरकार ने फिलहाल बजट में प्रावधान न होने की बात कह कर २१०० रूपये देने का मामला अगले तीन महीने के लिए टाल दिया है।

पूरक मांगों से जुटाया धन

वैसे तो सरकार के पास दिसंबर की किश्त देने का भी पैसा नहीं था, लेकिन सरकार ने हाल ही में नागपुर में संपन्न हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अतिरिक्त खर्चे के लिए सरकारी खजाने से जो ३३ हजार ७८८.४० करोड़ रूपये उठाए हैं उसमें से १४०० करोड़ रूपये लाडली बहन योजना की किश्त के भुगतान के लिए उठाए गए हैं।

अभी सिर्फ ३५ लाख महिलाओं को भुगतान

सरकार ने दिसंबर की किश्त के लिए ३५०० करोड़ रूपये जारी किए हैं। सरकार के मुताबिक पहले चरण में ३५ लाख लाभार्थी महिलाओं के खाते में पैसा जमा होगा और दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक सभी लाभार्थियों के खाते में १५०० रूपये जमा हो जाएगा।

४६००० करोड़ की है योजना

राज्य सरकार ने पिछले बजट में लाडली बहन योजना के तहत २१ से ६० वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को १,५०० रुपये मासिक भत्ता देने के लिए सालाना ४६,००० करोड़ रुपये की घोषणा की थी। योजना के तहत सरकार ने जुलाई से भुगतान शुरू किया है और पिछले ६ महीने से करीब २.३४ करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिल रहा है। अब तक लाभार्थियों के खाते में पांच किश्तों के रूप में ७५०० रूपये जमा हो चुके हैं।

१००% हिरासत में मौत, फडणवीस ने विधानसभा में झूठ बोला

■ परभणी हिंसा- राहुल गांधी मृतक सोमनाथ के परिवार से मिले

परभणी : महाराष्ट्र के परभणी में १० दिसंबर को अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ हुई थी। घटना के १२ दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को परभणी पहुंचे।

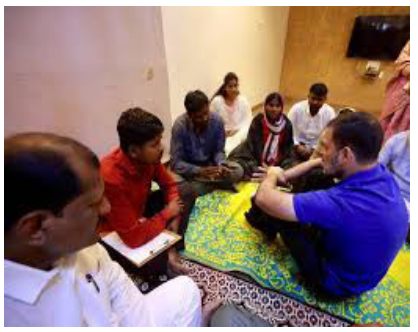

उन्होंने यहां मृतक सोमनाथ सूर्यवंशी और विजय वाकोडे को श्रद्धांजली दी। साथ ही उनके परिवारों से मुलाकात की। सोमनाथ सूर्यवंशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसकी १५ दिसंबर को पुलिस कस्टडी में मौत हुई थी।

राहुल ने कहा, मैं अभी पीड़ित परिवार से मिला, उन लोगों ने मुझे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोटो-वीडियो दिखाए, सोमनाथ की मौत १०० % कस्टोडियल (हिरासत में मौत) डेथ है, पुलिस ने इनकी हत्या की है। चीफ मिनिस्टर ने पुलिस को मैसेज देने के लिए असेंबली में झूठ बोला है।

राहुल ने कहा- सोमनाथ को इसलिए मारा गया क्योंकि वो दलित है और संविधान की रक्षा कर रहा था। की विचारधारा संविधान को खत्म करने की है। हम चाहते हैं कि ये मुद्दा सुलझाया जाए, जिन लोगों ये किया उनको सजा मिले।

फडणवीस बोले- राहुल नफरत फैलाने परभणी आए

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा- राहुल गांधी केवल राजनीतिक कारणों से यहां आए। उनका काम लोगों में नफरत पैदा करना है। हम सभी मामलों की जांच कर रहे हैं। मामला अदालत में है। अगर साबित हो जाता है कि सोमनाथ की मौत पुलिस हमले के कारण हुई, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही परभणी हिंसा की ज्यूडिशियल जांच के आदेश दिए हैं।

१५ दिसंबर : पुलिस ने बताया कि सीने में दर्द की शिकायत पर सोमनाथ को अस्पताल लाए थे, यहां उसकी हार्ट अटैक से मौत हुई। राज्य सरकार ने सोमनाथ के परिवार को १० लाख रुपए मदद की घोषणा की।

१६ दिसंबर : सोमनाथ की मौत को लेकर परभणी में विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसमें शामिल अंबेडकरी आंदोलन के नेता विजय वाकोड़े की हार्ट अटैक से मौत हुई थी।

तारीखों में जानिए परभणी में क्या हुआ

१० दिसंबर : सोपन दत्तात्राव पवार नाम के व्यक्ति ने परभणी रेलवे स्टेशन के सामने अंबेडकर स्मारक में संविधान की रेप्लिका पर लगा कांच तोड़ा था। भीड़ ने पवार को पीटा था। बाद में उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रोगी है।

११ दिसंबर : अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ के विरोध में परभणी बंद बुलाया गया था। लोगों की मांग आरोपी को फांसी देने की थी। बंद के दौरान हिंसा भड़की। तोड़फोड़ और आगजनी हुई। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे और लाठीचार्ज किया था।

हिंसा मामले में उसी रात पुलिस ने ५० लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें सोमनाथ सूर्यवंशी भी शामिल था। दो दिन पुलिस कस्टडी में रखने के बाद उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था।

...तो मेरी पार्टी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी

■ आदित्य ठाकरे ने फडणवीस को पत्र में क्या लिखा?

मुंबई: शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेटर लिखा है। इसमें फडणवीस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने का ऑफर भी दिया गया है। ना-गपुर में विधानसभा सत्र के दौरान उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे ने फडणवीस से मिलकर उन्हें पुष्पगुच्छ दिया था। आदित्य ने फडणवीस को लिखा लेटर खुद सोशल मीडिया पर जारी किया है। आदित्य ठाकरे का यह लेटर शहर को बदसूरत कर रहे राजनीतिक बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के बारे में है। एक विपक्षी विधायक की हैसियत से मुख्यमंत्री को लिखे गए इस पत्र में आदित्य ठाकरे ने राज्य में बढ़ती जा रही पोस्टर, बैनर- होर्डिंग संस्कृती को लेकर नाराजी व्यक्त की है और राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग मुख्यमंत्री से की है।

क्या लिखा है लेटर में?

आदित्य ठाकरे ने फडणवीस को लिखे लेटर की शुरुआत में लिखा है कि हम वर्ष २०२५ में प्रवेश करके नए साल की शुरुआत करने वाले हैं। इस मौके पर जनसेवा का संकल्प लेते समय सभी दलीय भेदभाव और विचारधाराओं को एक तरफ रखते हुए नागरिकों को राहत देने के लिए राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग पर प्रतिबंध लगाने का सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा निर्णय ले सकते हैं। पिछले दो साल में हुए राजनीतिक घमासान के कारण राज्य के लगभग हर शहर में बड़ी संख्या में वैध और अवैध राजनीतिक पोस्टर, बैनर और होर्डिंग देखने को मिलते हैं। इन्हें देखकर एक नागरिक के तौर पर दुख होता है और एक व्यक्ति के तौर पर शहर को बदसूरत बनाए जाने से तकलीफ भी होती है।

सरकार से क्या गुजारिश

आदित्य ने अपने पत्र में लिखा है कि पिछले दो साल में बीएमसी ने चुनिंदा पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए हैं लेकिन सत्ताधारी पार्टियों के पोस्टर, बैनर और होर्डिंग अभी भी लगे दिखाई देते हैं। अगर इस बचकानी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को किनारे कर सभी राजनीतिक दलों द्वारा अवैध रूप से पोस्टर, बैनर और होर्डिंग लगाने का फैसला किया तो हम अपने शहर के नागरिकों को बड़ी राहत दे सकते हैं।

सरकार के खजाने से चुराए २१.५९ करोड़, बीएमडब्ल्यू खरीदी

मुंबई: महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर के डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में २१ करोड़ ५९ लाख का घोटाला उजागर हुआ है। यहां के एक सरकारी कर्मचारी ने करोड़ों की धांधली करके बीएमडब्ल्यू कार और बाइक खरीदी। यहां तक कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को ४ बीएचके फ्लैट गिफ्ट किया। यह कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता था और उसकी तनख्वाह सिर्फ १३,००० रुपये थी। छत्रपति संभाजीनगर जिले में हुई इस घटना ने सबको चौंका दिया। हर्षल कुमार अनिल क्षीरसागर नाम के इस कर्मचारी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एडमिनिस्ट्रेशन से इंटरनेट बैंकिंग के जरिए पैसे चुराए।

आरोपी की पहचान हर्षल कुमार अनिल क्षीरसागर (उम्र २३) निवासी बीड बाईपास के रूप में हुई है और वह फरार है। यशोदा जयराम शेट्टी (उम्र ३८ साल) उनके पति जीवन करियप्पा विजेंडा (उम्र ४७) गड़िया विहार आरोपी का नाम है।

एनडीए की बैठक से एनसीपी के अजित पवार की दूरी

■ पटेल-तटकरे भी नहीं गए, गैरमौजूदगी की वजह क्या है?

मुंबई/नई दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की दिल्ली में बैठक हुई। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे। बैठक में शिवसेना नेता और केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव मौजूद थे। उन्होंने इस बैठक में एकनाथ शिंदे की शिवसेना का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि बैठक से अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी से कोई नहीं आया। एनसीपी नेताओं की बैठक में गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बन गई है।

दरअसल जेपी नड्डा के घर पर हुई एनडीए की बैठक में एनसीपी का एक भी नेता मौजूद नहीं था। उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार इस समय मुंबई में हैं। जबकि प्रदेश अध्यक्ष सुनीत तटकरे प्रस्तावित कार्यों के चलते अपने लोकसभा क्षेत्र में हैं। कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल विदेश गए हुए हैं। ये ही दो नेता हैं जो एनडीए या दिल्ली की अहम बैठकों में अजित पवार के साथ जाते हैं। अगर अजित पवार अनुपस्थित रहते हैं तो इन दोनों नेताओं में से एक मौजूद रहता है। लेकिन तटकरे और पटेल आज की बैठक से नदारद रहे।

पंकजा मुंडे को मिलेगा पनौती वाला बंगला

■ बावनकुले को हुआ था एलॉट, रामटेक की चर्चा क्यों?

मुंबई : महायुति के मंत्रियों को उनके विभागों के आंवटन के बाद सरकार ने सभी को मंत्रालय इमारत में बने केबिन और मुंबई में रहने के लिए सरकारी बंगले आवंटित कर दिए। राजस्व मंत्री बनाए गए बीजेपी अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले को रामटेक बंगला दिया गया। यह बंगला अशुभ माना जाता है। इस बंगले में रहने वाले मंत्रियों के राजनीतिक करियर में काफी उथल-पुथल होती रहती है। इसलिए बावनकुले को रामटेक बंगला मिलने के बाद उनके कार्यकर्ता डर गए। लेकिन अब यह बात सामने आई है कि पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे इस बंगले में रहेंगी।

कहां पर है रामटेक बंगला?

दरअसल मालाबार हिल में रामटेक बंगला बहुत बड़ा है। इस बंगले से समुद्र का खूबसूरत नजारा दिखता है। राजस्व मंत्री बने चन्द्रशेखर बावनकुले को रामटेक बंगला दिया गया। वहीं पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे को पर्णकुटी बंगला दिया गया। लेकिन उनको इस बंगले को बदलकर रामटेक बंगला दे दिया गया। ऐसे में जहां बावनकुले के कार्यकर्ताओं ने राहत की सांस ली। वहीं अब पंकजा मुंडे के कार्यकर्ताओं में डर बढ़ गया है।

रामटेक बंगले में कौन रहा?

जब राज्य में पहली बार कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन की सरकार बनी थी तब छगन भुजबल रामटेक बंगले में रह रहे थे। उस वक्त उन पर तेलगी मामले में गंभीर आरोप लगे थे। स्टांप पेपर घोटाले के कारण भुजबल को इस्तीफा देना पड़ा था। वह समय भुजबल के लिए बहुत कठिन था। २०१४ में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन राज्य में सत्ता में आया। तब बीजेपी के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे रामटेक के रहवासी बने। उन्हें सरकार में दूसरे नंबर पर रखा गया था। लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद से इस बंगले से मानो राजनीतिक वनवास ही हो गया हो।

रामटेक बंगले को क्यों मानते हैं अशुभ?

२०१९ में राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार आई। छगन भुजबल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री बने। लेकिन वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके। ढाई साल में सरकार गिर गई। इस दौरान भुजबल का प्रवास रामटेक में था। ठाकरे सरकार के पतन के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बीजेपी और शिवसेना की सरकारें आईं। इस सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री बने दीपक केसरकर को रामटेक बंगला मिला। विधानसभा चुनाव के बाद फिर से महायुति की सरकार आई। लेकिन केसरकर को अपना मंत्रालय गंवाना पड़ा। इसलिए रामटेक बंगला अशुभ माना जाता है।

शीन की एंट्री से रिलायंस-टाटा में कॉम्पिटिशन बढ़ेगा

■ रिलायंस के जरिए ४ साल बाद चीनी फास्ट-फैशन ब्रांड की भारत में वापसी

नई दिल्ली : चार साल की पाबंदी झेलने के बाद चीनी फास्ट-फैशन ब्रांड शीन की रिलायंस रिटेल के जरिये भारतीय बाजार में वापसी होने जा रही है। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस रिटेल के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अजियो पर शीन ने अपने कलेक्शन की टेस्टिंग और कैटलॉगिंग शुरू कर दी है।

रिलायंस इस ब्रांड को अपने अन्य प्लेटफॉर्म तक बढ़ाएगी। इससे भारतीय बाजार में रिलायंस की किफायती फास्ट-फैशन सेगमेंट में टाटा समूह के जुडियो और फ्लिपकार्ट के मिंत्रा के

साथ स्पर्धा और तेज होगी। सरकार ने २०२० में भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच शीन समेत ५० चीनी एप पर प्रतिबंध लगा दिया था।

एप बेस्ड ई-कॉमर्स कंपनी शीन की १७० से अधिक देशों में मौजूदगी है। ५.३ करोड़ यूजर्स हैं। अमेरिका में इसकी ग्रोथ आश्चर्यनजक तरीके से बढ़ रही है। नवंबर २०२२ तक अमेरिकी फास्ट-फैशन बिक्री में शीन की हिस्सेदारी ५०% पहुंच गई थी, जो जनवरी २०२० में १२% था। अपने मुख्यालय को चीन से सिंगापुर शिफ्ट करने के बाद शीन ने २०२३ में १७ हजार करोड़ का फायदा हुआ। कुल ३.८३ लाख करोड़ रुपए के प्रोडक्ट बेचे।

शीन की भारतीय डेटा तक नहीं रहेगी पहुंच

हालांकि हाल ही में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में बताया कि शीन का ऑपरेशन देश के एक स्वदेशी रिटेल प्लेटफॉर्म पर होगा। शीन की प्लेटफॉर्म के डेटा तक पहुंच नहीं होगी। शीन ऐसे समय में भारतीय बाजार में दोबारा प्रवेश कर रहा है, जब उसकी राजस्व ग्रोथ में कमी देखी गई है। इस साल की पहली छमाही शीन का रेवेन्यू ग्रोथ बीते साल के ४०% से घटकर २३% रह गया है। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स के मुताबिक भारत में बीते वित्त वर्ष फास्ट फैशन सेगमेंट ४०% बढ़ा, जो कुल रिटेल सेगमेंट की ६% ग्रोथ से ५ गुना है। २०३१ तक यह बाजार ४.५ लाख करोड़ का होगा।

सोना ₹१०० महंगा हुआ, चांदी में गिरावट रही

दाम ₹८७,८३१ प्रति किलो पहुंचा; इस साल सोना २१% और चांदी २०% महंगे हुए

नई दिल्ली : सोने के दाम में शुक्रवार (२७ दिसंबर) को तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आइबीजेए) के डेटा के अनुसार, १० ग्राम २४ कैरेट गोल्ड का १०० रुपए बढ़कर ७६,४३६ रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले कल सोने की कीमत ७६,३३६ रुपए प्रति १० ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव आज २०९ रुपए कम होकर ८७,८३१ रुपए पर आ गया। कल चांदी ८८,०४० रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, २३ अक्टूबर को चांदी ने ९९,१५१ रुपए का और ३० अक्टूबर को सोने ने ७९,६८१ रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : १० ग्राम २२ कैरेट सोने की कीमत ७१,६५० रुपए और १० ग्राम २४

कैरेट सोने की कीमत ७८,१५० रुपए है।

मुंबई : १० ग्राम २२ कैरेट सोने की कीमत ७१,५०० रुपए और १० ग्राम २४ कैरेट सोने की कीमत ७८,००० रुपए है।

कोलकाता : १० ग्राम २२ कैरेट गोल्ड की कीमत ७१,५०० रुपए और २४ कैरेट १० ग्राम सोने की कीमत ७८,००० रुपए है।

चेन्नई : १० ग्राम २२ कैरेट सोने की कीमत ७१,५०० रुपए और १० ग्राम २४ कैरेट सोने की कीमत ७८,००० रुपए है।

भोपाल : १० ग्राम २२ कैरेट सोने की कीमत ७१,५५० रुपए और १० ग्राम २४ कैरेट सोने की कीमत ७८,०५० रुपए है।

इस साल सोना २१% और चांदी २०% महंगा हुए

इस साल यानी १ जनवरी से अब तक सोने का भाव २०.६५% बढ़ा है। साल के पहले दिन २४ कैरेट १० ग्राम गोल्ड की कीमत ६३,३५२ रुपए थी, जो अब १३,२८३ रुपए बढ़कर ७६,६३५ रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, १ जनवरी को १ किलो चांदी ७३,३९५ रुपए में बिक रही थी, जिसकी कीमत अब ८८,४३४ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान चांदी १९.६७% महंगा हुई है।

रुपया गिरकर ऑल-टाइम लो पर आया

मुंबई : नवंबर में इंडिगो से १ करोड़ से ज्यादा लोगों ने ट्रैवल किया, ट्रायम्फ स्पीड ट्विन ९०० अपडेटेड लॉन्च

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह ०७ पैसे गिरकर ८५.१९ रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ। रुपए का यह सबसे निचला स्तर है।

नवंबर महीने में इंडिगो से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़कर १ करोड़ से ज्यादा हो गई। इस दौरान भारतीय एविएशन मार्केट में एयरलाइन की हिस्सेदारी ६३.६% के ऑल-टाइम-हाई पर पहुंच गई।

वहीं, ट्रायम्फ मोटरसाइकिल इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी मॉडर्न क्लासिक बाइक ट्रायम्फ स्पीड ट्विन ९०० का अपडेटेड मॉडल लॉन्च किया है। यहां इसकी कीमत ८.८९ लाख रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है।

सेंसेक्स २२६ अंक की तेजी के साथ ७८,६९९ पर बंद

■ निफ्टी भी ६३ अंक चढ़ा, फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा बढ़त रही

मुंबई : हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी २७ दिसंबर को सेंसेक्स २२६ अंक की तेजी के साथ ७८,६९९ के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी ६३ अंक की तेजी रही, ये २३,८१३ के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के ३० शेयरों में से २० में तेजी और १० में गिरावट रही। निफ्टी के ५० शेयरों में से ३० में तेजी और २० में गिरावट रही। एनएसइ सेक्टोरल इंडेक्स में फार्मा सेक्टर सबसे ज्यादा १.३०% की बढ़त के साथ बंद हुआ।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं?

इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने आइपीओ का प्राइस बैंड ₹२०४ -₹२१५ तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी ६९ शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आइपीओ के अपर प्राइज बैंड ₹२१५ के हिसाब से १ लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए ₹१४,८३५ इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम १३ लॉट यानी ८९७ शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से ₹१,९२,८५५ इन्वेस्ट करने होंगे।

इश्यू का ३५% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व

कंपनी ने इश्यू का ५०% हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआइबी) के लिए रिजर्व रखा है। इसके अलावा ३५% हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी का १५% हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआइआइ) के लिए रिजर्व है।

टैक्टर, पिक एंड कैरी क्रेन और हार्वेस्टिंग इक्विपमेंट बनाती है कंपनी

इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड की स्थापना १९९४ में हुई थी, जो टैक्टर, पिक एंड कैरी क्रेन और हार्वेस्टिंग इक्विपमेंट बनाती है। कंपनी अपने ऑपरेशन्स को दो ब्रांड नेम इंडो फार्म और इंडो पावर के जरिए चलाती है। इंडो फार्म इक्विपमेंट के प्रोडक्ट नेपाल, सीरिया, सूडान, बांग्लादेश, म्यांमार सहित अन्य देश में एक्सपोर्ट होते हैं।

आइपीओ क्या होता है? जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयर्स को आम लोगों के लिए जारी करती है तो इसे इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आइपीओ कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए शेयर इश्यू करके पैसा जुटाती है। इसी के लिए कंपनी आइपीओ लाती है।

तनाव के बीच बांग्लादेश ने भारत से चावल खरीदा

■ २७ हजार टन की खेप चटगांव पहुंची; बांग्लादेश बोला- भविष्य के संकट से बचने के जरूरी

ढाका : भारत और बांग्लादेश में लगातार बढ़ती तल्खी के बाद भी व्यापार जारी है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत से चावल इंपोर्ट करना शुरू कर दिया है। बांग्लादेश ने भारत से २ लाख टन चावल खरीदने का फैसला किया है। शुक्रवार को २७ हजार टन चावल की पहली खेप बांग्लादेश के चटगांव पहुंच गई है।

बांग्लादेश के एक फूड अधिकारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि इस वक्त बांग्लादेश में चावल की कोई कमी नहीं है। हालांकि, हाल ही में आई भीषण बाढ़ के कारण सरकार ने भविष्य में संकट से बचने के लिए चावल इंपोर्ट करने का

फैसला किया है।

उन्होंने कहा- बांग्लादेश की अंतरिम सरकार २ लाख टन उबले चावल के अलावा टेंडर के जरिए भारत से १ लाख टन चावल का इंपोर्ट करेगी।

भारत ने भी बांग्लादेश की नई सरकार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर प्रणय कुमार वर्मा ने हाल ही में कहा कि ५ अगस्त के उथल-पुथल भरे बदलावों के बाद भी, मुझे लगता है कि हमने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ पूरी ईमानदारी से काम किया है।

हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमले से बढ़ी रिश्तों में तल्खी

बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में पिछले कुछ वक्त में तल्खी काफी ज्यादा बढ़ गई है। शेख हसीना का तख्तापलट होने के बाद से लगातार हिंदू नेताओं और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा भारत को लेकर भी कई तरह के भड़काऊ बयान दिए जा रहे हैं। हिंदू धर्मगुरु चिन्मय प्रभु देशद्रोह के आरोप में २५ नवंबर से जेल में बंद हैं। इसे लेकर भी दोनों देशों ने काफी तल्ख बयान दिए हैं।

२ लेवल पर और ज्यादा चावल इंपोर्ट करने का प्लान

अधिकारी ने कहा- टेंडर के अलावा हमारा प्लान सरकार से गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (२) लेवल पर भारत से और ज्यादा चावल इंपोर्ट करने का है। इसके अलावा भारत के प्राइवेट एक्सपोर्ट्स से अब तक १६ लाख टन चावल आयात करने के लिए बांग्लादेश सरकार से परमिशन ले ली है। उन्होंने बताया कि हमने म्यांमार के साथ १ लाख टन चावल इंपोर्ट करने के लिए २ समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही वियतनाम और पाकिस्तान से भी इसे लेकर चर्चा कर रहे हैं। बांग्लादेश ने कीमतों को स्थिर रखने के लिए चावल के इंपोर्ट पर सभी ड्यूटी हटा ली है। भारत से प्राइवेट लेवल पर जीरो इंपोर्ट ड्यूटी के साथ बड़ी मात्रा में चावल का निर्यात किया जा रहा है।

पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति की पत्नी ने तलाक की अर्जी दी

■ कहा उनके साथ रूस में खुश नहीं; असद ८ दिसंबर से मॉस्को में

मॉस्को : सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद की पत्नी अस्मा अल असद ने तलाक के लिए अर्जी दी है। इजराइली अखबार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, सीरिया की सत्ता से बाहर हो चुके असद की पत्नी अस्मा रूस में रहकर खुश नहीं हैं। वह ब्रिटेन जाने का प्लान बना रही हैं। अस्मा ने रूसी अदालत में देश छोड़ने के लिए आवेदन भी किया है।

अस्मा ने दिसंबर २००० में असद से शादी की थी। उनके पास ब्रिटेन और सीरिया की दोहरी

नागरिकता है। अस्मा का जन्म १९७५ में लंदन में सीरियाई माता-पिता के यहां हुआ था। अस्मा ने लंदन के किंग्स कॉलेज से कंप्यूटर साइंस और फ्रेंच लिटरेचर में डिग्री हासिल की है।

अस्मा और असद के तीन बच्चे हैं, जिनके नाम हाफिज, जीन और करीम हैं। वे अपने बच्चों के साथ लंदन में रहने के लिए प्लान कर रही हैं। ८ दिसंबर को सीरिया की राजधानी दमिश्क पर विद्रोही लड़ाकों के कब्जे के बाद बशर अल असद ने देश छोड़कर परिवार के साथ रूस में शरण ली थी।

रूस में प्रतिबंधों में रह रहा असद परिवार यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, बशर अल असद और उनका परिवार मॉस्को में रह रहा है। रूस ने उन्हें अपने यहां शरण तो दी है, लेकिन उन्हें कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। असद के मॉस्को छोड़ने या किसी भी राजनीतिक गतिविधि में शामिल होने पर रोक लगा दी गई है।

रूस में मौलानाओं ने ४ शादी का फतवा वापस लिया

मॉस्को : रूस की एक टॉप इस्लामिक संस्था (डीयूएम) ने मुस्लिम पुरुषों को ४ पत्नियां रखने की अनुमति देने वाले विवादास्पद फतवा को वापस ले लिया है। आरटी न्यूज के मुताबिक १७ दिसंबर को इस्लामिक बॉडी डीयूएम ने एक से ज्यादा महिलाओं के साथ विवाह की अनुमति देने की मांग करते हुए एक फतवा जारी किया था। इसमें पत्नी के खराब हेल्थ या फिर बूढ़ी होने पर दोबारा शादी को मंजूरी दी गई थी।

फतवे में कहा गया था कि एक शख्स ४ पत्नियां रख सकता है, बशर्ते वह सभी पत्नियों को बराबर सुख-सुविधा देने के साथ बराबर समय भी दे। दस्तावेज में सभी पत्नियों के साथ निष्पक्ष या समान बर्ताव करने की भी शर्तें थीं। हालांकि इसकी पूरे देश में आलोचना हो रही थी।

बांग्लादेश के सचिवालय की एक बिल्डिंग में आग लगी

■ इसमें ७ मंत्रालयों के ऑफिस, ६ घंटे बाद आग पर काबू

ढाका : बांग्लादेश की राजधानी ढाका के सेगुनबागीचा इलाके में बुधवार देर रात करीब २ बजे सचिवालय में आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आग सचिवालय की बिल्डिंग नंबर ७ में ६वीं मंजिल पर लगी थी, जो बाद में ७वीं और ८वीं मंजिल पर फैल गई। इस बिल्डिंग में ट्रांसपोर्ट समेत ७ मंत्रालयों के ऑफिस हैं।

आग की खबर मिलते ही दमकल विभाग ने मौके पर ८ यूनिट भेज दी थीं। हालांकि, आग को काबू में करने के लिए बाद में दमकल की १० और यूनिट मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत से ६ घंटे बाद आग पर काबू पा लिया।

दमकल की मीडिया सेल के अधिकारी शाहजहां शिकदर के मुताबिक दमकल विभाग

को रात १:५२ बजे आग लगने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद १:५४ पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए थे। आग पर सुबह ८:०५ बजे काबू पा लिया गया।

टैंकर की चपेट में आने से एक दमकल कर्मी की मौत

दमकल विभाग ने बताया कि आग पर काबू पाने के दौरान एक दमकलकर्मी टैंकर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक वह टैंकर में पाइप लगाने जा रहा, तभी उसे एक दूसरे टैंकर ने टक्कर मार दी। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई।

मृतक दमकल कर्मी का नाम सोहनूर जमान नयन है। वह तेजगांव फायर स्टेशन में दमकल विभाग का कर्मी था। इसके अलावा एक दूसरे दमकल कर्मी हबीबुर रहमान को पैर में चोट आई है।

आग की जांच के लिए कमेटी बनाई जाएगी

अंतरिम सरकार में गृह मंत्रालय के एडवाइजर जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि आग की जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया जाएगा। इस कमेटी में ५ से ११ मेंबर्स होंगे।

फिलहाल आग लगने की वजह पता नहीं चल पाई है। चौधरी ने बताया कि इस संबंध में कैबिनेट सेक्रेटरी और होम सेक्रेटरी को निर्देश दे दिए गए हैं।

ढाका का सचिवालय बांग्लादेश की

सरकार का प्रमुख प्रशासनिक मुख्यालय है। इसमें कुल ८ बिल्डिंग्स हैं। आग की शुरुआत जिस ७ नंबर बिल्डिंग से हुई थी, उसमें वित्त, ट्रांसपोर्ट , श्रम और जल मंत्रालय जैसे प्रमुख मंत्रालयों के दफ्तर हैं। ट्रांसपोर्ट मंत्रालय की जिम्मेदारी अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर के पास है। इससे पहले २०१९ में सचिवालय की बिल्डिंग नंबर ६ में आग लगी थी।

२०२४ में चर्चा में रहीं कौन सी शख्सियतें

डी. गुकेश से लेकर रोनाल्डो तक, १० सफल लोगों ने सिखाए जीवन के १० कीमती सबक

कुछ ही दिनों में २०२५ की शुरुआत होने वाली है। इस साल कई शख्सियतें चर्चा में रहीं, जिन्होंने अपने क्षेत्र में कामयाबी का परचम लहराया। इन मशहूर हस्तियों में इलॉन मस्क और प्रियंका गांधी से लेकर फिल्मकार पायल कपाड़िया और फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो तक शामिल हैं।

तो आज हम साल २०२४ में चर्चा में रही इन शख्सियतों के बारे में बात करेंगे और जानेंगे इनके जीवन की उन खासियतों के बारे में, जिसे हम भी अपने जीवन में उतार सकते हैं।

प्रियंका गांधी क्यों चर्चा में रहीं

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी राजनीति जगत का जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने नवंबर, २०२४ में केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में ४.१० लाख से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने अपने भाई और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जीत के अंतर को भी पीछे छोड़ दिया। हाल ही में वह संसद में फिलिस्तीन के समर्थन वाला एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर लिखा था, फिलिस्तीन आजाद होगा।

इनसे क्या सीखें

प्रियंका गांधी से हम दो चीजें सीख सकते हैं। साहस व पूरी बेबाकी और स्पष्टता से अपनी बात कहने की कला। देश की संसद में फिलिस्तीन का समर्थन करने का साहस दुनिया के और किसी लीडर ने नहीं दिखाया। ये वो गुण हैं, जो एक आम इंसान के लिए भी बहुत जरूरी और कीमती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप क्यों चर्चा में रहीं

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के ४५वें राष्ट्रपति थे। नंवबर, २०२४ में उन्होंने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा और शानदार जीत हासिल की। चुनाव के पहले जुलाई में ट्रंप पर जानलेवा हमला भी हुआ, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। हमले के बाद भी उन्होंने बिना डरे चुनाव प्रचार किया और दिखा दिया कि वह ऐसे कायराना हमलों से डरकर हार मानने वाले नहीं हैं।

इलॉन मस्क क्यों चर्चा में रहीं

दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक इलॉन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स जहां स्पेस साइंस की दुनिया में एक के बाद एक उप-लब्धि हासिल कर रही है। वहीं उनकी दूसरी कंपनी टेस्ला भी नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। कुछ समय पहले टेस्ला ने ऑप्टिमस नाम का एक ह्यूमनॉइड रोबोट लॉन्च किया, जो घर के सारे काम कर सकता है।

इनसे क्या सीखें

इलॉन मस्क के जीवन का सबसे बड़ा सबक तो यही है कि सपने हमेशा बड़े देखो और उन्हें हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करो, जान लगा दो। सफलता तुम्हारे कदम चूमेगी।

रतन टाटा क्यों चर्चा में रहीं

भारत के जाने-माने बिजनेसमैन रतन टाटा ने ९ अक्तूबर, २०२४ को ८६ साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा। उन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी और मेहनत से भारतीयों के दिलों में एक खास जगह बनाई है। गूगल की साल २०२४ की टॉप सर्च रिजल्ट रिपोर्ट के मुताबिक, रतन टाटा का नाम गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले टॉप-१० कीवर्ड्स में एक है।

इनसे क्या सीखें : रतन टाटा से हमें एक सबक जरूर सीखना चाहिए कि अपार सफलता के बाद भी जमीन से कैसे जुड़े रहना है। दिखावे और शोर-शराबे से दूर एक सरल, सादगीपूर्ण जीवन ही अंत में आपकी मनुष्यता को परिभाषित करता है।

डी. गुकेश क्यों चर्चा में रहीं

चेन्नई के रहने वाले १८ वर्षीय डी. (डोम्माराजू) गुकेश चेस ग्रैंडमास्टर हैं। इसी महीने उन्होंने सिंगापुर में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया। वह ७ साल की उम्र से चेस खेल रहे हैं।

इनसे क्या सीखें

शतरंज सिर्फ दिमाग नहीं, बल्कि एकाग्रता और संयम का खेल है। डी. गुकेश से हमें सीखना चाहिए एकाग्रता, संयम और अनुशासन। आप भले शतरंज खेलें या न खेलें, लेकिन अगर ये गुण हैं तो वो जीवन के हर क्षेत्र में काम आएंगे।

रोहित शर्मा क्यों चर्चा में रहीं

साल २०२३ में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया को वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि रोहित ने बाउंस बैक करते हुए २०२४ में टी वर्ल्ड कप में अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई।

इनसे क्या सीखें

सबक यही है कि असफलता से हार मानने के बजाय उससे सबक लेकर बाउंस बैक करना चाहिए। असफलता अंत नहीं, बल्कि भविष्य की सफलताओं की बुनियाद हो सकती है।

विनेश फोगाट क्यों चर्चा में रहीं

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट इस साल पेरिस ओलिंपकि के फाइनल तक पहुंच गई थीं। लेकिन फिर ५० किलो से थोड़ा ज्यादा वजन होने के कारण अयोग्य करार कर दी गईं। पदक तो नहीं मिला, लेकिन पूरे देश और दुनिया में प्यार और सम्मान बहुत मिला। बाद में कांग्रेस के टिकट पर उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत गईं।

इनसे क्या सीखें

विनेश फोगाट से हमें जीवन का सबसे कीमती सबक सीखना चाहिए। हमारा महत्व हमेशा जीत और हार से तय नहीं होता। मेहनत और कोशिश सबसे बड़ी चीज है। मंजिल से ज्यादा बड़ी है यात्रा। हमारा मनुष्य होना सांसारिक सफलताओं के टैग से कहीं ऊपर है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो क्यों चर्चा में रहीं

मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलोअर हैं। इंस्टाग्राम पर ६५ करोड़ लोग उन्हें फॉलो करते हैं। इस साल अगस्त में रोनाल्डो ने एक यूट्यूब चैनल बनाया और कुछ ही घंटे में ३ करोड़ सब्सक्राइबर्स जुड़ गए। ये वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

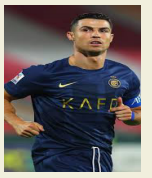

इनसे क्या सीखें

रोनाल्डो की सफलाओं की फेहरिस्त बहुत लंबी है। लेकिन उनसे जो बात सीखने वाली है, वो है उनका धैर्य, इंसानियत और फिटनेस को लेकर उनका पागलपन। रोनाल्डो के दीवाने भी ये जानते हैं कि उनकी जैसी ख्याति के बाद उनके जैसा ग्राउंडेड इंसान बिरले ही होंगे।

सुनीता विलियम्स क्यों चर्चा में रहीं

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ५ जून २०२४ को बोइंग स्टारलाइनर नाम के स्पेसक्राफ्ट से नासा के मिशन पर गई थीं। उन्हें वहां ८ दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते वह अभी भी वहां फंसी हुई हैं। उनके अगले साल फरवरी में धरती पर वापस आने की संभावना है।

इनसे क्या सीखें : सुनीता विलियम्स ने इस साल इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आइएसएस) से दुनिया को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। एक वीडियो मैसेज में कहा कि उन्हें पृथ्वी से २६० मील दूर दिवाली मनाने का अवसर मिला है। उनसे हमें कठिन परिस्थितियों में भी पॉजिटिव रहने की सीख मिलती है।

पायल कपाड़िया क्यों चर्चा में रहीं

फिल्मकार पायल कपाड़िया ने इस साल ७७वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में इतिहास रच दिया। उनकी फिल्म ऑल वी इमैजिन एज लाइटफने कान्स का दूसरा सबसे बड़ा पुरस्कार – जीता। यह अवॉर्ड जीतने वाली वह पहली भारतीय हैं।

इनसे क्या सीखें

पायल कपाड़िया के जीवन से यह सीख मिलती है कि काम वो करो, जिससे प्यार है। सफलता उसका बाइप्रोडक्ट है, जो पीछे-पीछे आता है। और सफलता को सिर पर भी मत चढ़ने दो। वैसे ही रहो, जैसे तब थे, जब दुनिया तुम्हें नहीं जानती थी।

खुद के सीखे हुनर से खड़ी की एक अरब डॉलर की कंपनी

■ कभी लोग कहते थे नकारा

एक पच्चीस-छब्बीस साल का लड़का, जो अपने पिता के साथ कारखाने में काम करता था। एक दिन एक व्यक्ति कारखाने में आया और उस लड़के के पिता से फास्टनर खरीदने के लिए चर्चा करने लगा। उसके हाथ में एक एयरोफॉइल था। वह आदमी दुनिया भर में एयरोफॉइल का एक बेहतर आपूर्तिकर्ता, बेहतर कीमत और बेहतर गुणवत्ता की तलाश में था, जो उसे नहीं मिल रहा था। उस लड़के ने जैसे-तैसे उस व्यक्ति को मना लिया कि वह उसे अपना खुद का एयरोफॉइल बनाने की कोशिश करने दे। जब उस लड़के ने कुछ महीनों बाद उत्पाद तैयार करके उस आदमी को दिया, तो वह हैरान रह गया।

वह उस लड़के की शुरुआत थी, जिसके बाद उसे कोई रोक नहीं पाया। वह लड़का कोई और नहीं राकेश चोपदार हैं। राकेश ने साबित किया कि अवसरों को पाने के लिए किस्मत के बजाय जुनून की जरूरत होती है। राकेश की कंपनी ने न केवल विनिर्माण उद्योग में मानक स्थापित किए हैं, बल्कि वैश्विक एयरोस्पेस और ऊर्जा क्षेत्रों में भी नाम कमाया है। राकेश चोपदार का स्कूल छोड़ने से लेकर हैदराबाद स्थित कंपनी आजाद इंजीनियरिंग के संस्थापक बनने तक का सफर लगन, नवाचार और उत्कृष्टता का जीवंत उदाहरण है।

बिना पढ़ा-लिखा इंजीनियर

चोपदार की सफलता की राह उनके पिता की फैक्ट्री एटलस फास्टनर्स से शुरू हुई। वहां काम करते हुए वह एक ऐसे इंजीनियर बन गए, जिन्होंने न तो कॉलेज का मुंह देखा और न ही इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। पिता के साथ कारखाने में ही उन्होंने मशीनरी में महारत हासिल की और व्यवसाय की पेचीदिगियों को सीखा। उनके व्यावहारिक अनुभव ने आजाद इंजीनियरिंग के विकास और नवाचार की नींव रखी। उन्होंने २००८ में खुद के कौशल पर भरोसा करते हुए आजाद इंजीनियरिंग की शुरुआत की।

सेकंड-हैंड सीएनसी मशीन से शुरुआत

असफल और नकारा

राकेश चोपदार ने १७ साल की छोटी-सी उम्र में हाई स्कूल की पढ़ाई छोड़ दी। राकेश चोपदार पढ़ाई में काफी कमजोर थे। इस कारण उन्हें घर-परिवार और दोस्तों से काफी ताने सुनने को मिलते थे। यहां तक कि दसवीं पास न कर पाने के कारण लोग उन्हें नकारा और असफल तक कहकर बुलाते थे। घरवालों के तानों से बचने के लिए राकेश ने पिता की नट-बोल्ट बनाने के कारखाने में काम करना शुरू कर दिया।

राकेश ने एक सेकंड-हैंड सीएनसी मशीन के साथ २०० स्क्वायर मीटर के शेड में बालानगर में शुरुआत की। कंपनी को धीरे-धीरे आगे बढ़ा रहे थे, तभी उन्हें यूरोपीय कंपनी के लिए थर्मल पावर टर्बाइनों के लिए एयरोफॉइल बनाने का एक ऑर्डर मिला। यह ऑर्डर आजाद इंजीनियरिंग की सफलता का पहला पड़ाव था, क्योंकि इससे उन्हें और उनकी कंपनी को वैश्विक पहचान मिलनी शुरू हो गई। विभिन्न स्टेनलेस-स्टील सामग्रियों के साथ काम करके उन्होंने महत्वपूर्ण घटकों के निर्माण में महारत हासिल की।राकेश को नए-नए नवाचार करना बेहद पसंद है। उन्होंने कई ऐसे उत्पाद और उपकरण बनाए हैं, जो विश्व स्तर पर कई कंपनियों और इंजीनियरिंग में महारत हासिल इंजीनियरों की क्षमताओं को चुनौती देते हैं। उन्हें गैस, भाप, और एयरो इंजन से जुड़े जटिल और आधुनिक तकनीक पर आधारित उपकरण बनाना ज्यादा पसंद है। इसी का परिणाम है कि भारत की रक्षा उपकरण बनाने वाले संगठन डीआरडीओ ने आजाद इंजीनियरिंग के साथ एक समझौता किया है।

केंद्र सरकार ने आरटीई नियमों में किया संशोधन

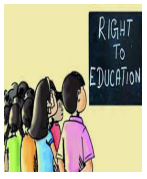

स्कूली शिक्षा में एक बड़ा बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने अपने द्वारा शासित स्कूलों में कक्षा ५वीं और ८वीं के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है, जो उन छात्रों को फेल करने की अनुमति देती है जो साल के अंत की परीक्षाओं में उत्तीर्ण नहीं हो पाते हैं।

२०१९ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन के बाद, कम से कम १६ राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही दोनों कक्षाओं के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है।

एक गजट अधिसूचना के अनुसार, नियमित परीक्षा के आयोजन के बाद, यदि कोई बच्चा समय-समय पर अधिसूचित पदोन्नति मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे दो महीने की अवधि के भीतर अतिरिक्त निर्देश और पुन: परीक्षा का अवसर दिया जाएगा।

अधिसूचना में कहा गया है, यदि पुन: परीक्षा में बैठने वाला बच्चा फिर से पदोन्नति के मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है, तो उसे पांचवीं कक्षा या आठवीं कक्षा में रोक दिया जाएगा, जैसा भी मामला हो। बच्चे को रोके रखने के दौरान, कक्षा शिक्षक बच्चे के साथ-साथ यदि आवश्यक हो तो बच्चे के माता-पिता का मार्गदर्शन करेगा और मूल्यांकन के विभिन्न चरणों में सीखने के अंतराल की पहचान करने के बाद विशेष जानकारी प्रदान करेगा।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक किसी भी बच्चे को किसी भी स्कूल से नहीं निकाला जाएगा।

शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अधिसूचना केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित ३,००० से अधिक स्कूलों पर लागू होगी।

चूंकि स्कूली शिक्षा एक राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं। दिल्ली सहित १६ राज्यों और २ केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही इन दो कक्षाओं के लिए नो-डिटेंशन पॉलिसी को खत्म कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हरियाणा और पुडुचेरी ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है, जबकि शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने नीति को जारी रखने का फैसला किया है।

५ गुना बढ़ गई आय सीमा! फ्री स्कूल एडमिशन के लिए दावेदार बढ़ेंगे

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में दाखिले के लिए अब इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन () कैटिगरी के परिवार की आय सीमा १ लाख रुपये की बजाय ५ लाख रुपये हो चुकी है। इस आय सीमा को बढ़ाने की मांग तब से चल रही थी, जब छठा पे कमीशन लागू हुआ था। पिछले एक साल में इस सीमा को दिल्ली सरकार ने २.५ लाख रुपये करने की बात की, तो एलजी और हाई कोर्ट ने ५ लांख रुपये सालाना। आखिरकार २३ दिसंबर को एलजी ने ५ लाख रुपये सालाना लिमिट के लिए मंजूरी दे दी।

अब दिल्ली में नर्सरी, केजी और क्लास-१ एडमिशन प्रॉसेस के साथ इसे लागू करने की तैयारी चल रही है। पैरंट्स के लिए हर साल की तरह इंतजार लंबा है। दिल्ली शिक्षा निदेशालय पिछले कुछ साल से इन २५% फ्री सीटों के लिए एडमिशन सेशन पटरी पर लाने में नाकाम रहा है। बाकी ७५% ओपन सीटों (स्कूल के फ्रीस स्ट्रक्चर के हिसाब से फीस देने वाले) के लिए सेशन १ अप्रैल से शुरू हो जाता है।

प्रियंका ने परीक्षा फॉर्म पर जीएसटी को लेकर उठाया सवाल

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने परीक्षा फॉर्म पर जीएसटी लगाने को लेकर सोमवार को भाजपा पर हमला बोला और कहा कि सरकार ने उन अभिभावकों के सपनों को आय का स्रोत बना दिया है, जिन्होंने अपने बच्चों को परीक्षा की तैयारी के लिए पाई-पाई बचायी थी।

कांग्रेस महासचिव ने कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट, सुल्तानपुर का एक परीक्षा फॉर्म साझा किया, जिसमें दिखाया गया था कि वहां १८ प्रतिशत जीएसटी लगाया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने एक्स पर हिंदी में लिखे पोस्ट में कहा, भाजपा युवाओं को नौकरी तो नहीं दे सकती, लेकिन परीक्षा फॉर्म पर १८% फीसदी जीएसटी लगाकर जख्मों पर नमक जरूर छिड़क रही है। अग्निवीर समेत हर सरकारी नौकरी के फॉर्म पर जीएसटी लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, फॉर्म भरने के बाद अगर सरकार की विफलता या भ्रष्टाचार के कारण पेपर लीक हो जाता है तो युवाओं का पैसा बर्बाद हो जाता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाने और परीक्षा की तैयारी के लिए अपनी जान कुर्बान कर देते हैं और एक-एक पैसा बचाते हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने उनके सपनों को आय का स्रोत बना दिया है।

जेईई एडवांस्ड के आवेदन शुल्क में हुई बढ़ोतरी

■ विदेश में केंद्र के लिए देनी होगी इतनी फीस

आईआईटी कानपुर ने जेईई एडवांस्ड २०२५ के लिए सूचना विवरणिका जारी कर दी है। ऑनलाइन पंजीकरण २३ अप्रैल, २०२५ से शुरू होगा। इस बार आवेदन शुल्क में एक बदलाव किया गया है। भारत के बाहर के परीक्षा केंद्रों के लिए आवेदन शुल्क में बढ़ोतरी की गई है।

इस साल, जेईई एडवांस्ड परीक्षा भारत के २२२ शहरों और अबू धाबी और काठमांडू में स्थित दो अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर होगी। इस सत्र के लिए दुबई परीक्षा केंद्र को बंद कर दिया गया है।

भारत के बाहर परीक्षा केंद्रों के लिए आवेदन शुल्क में ५० की बढ़ोतरी

अबू धाबी और काठमांडू को परीक्षा केंद्र के रूप में चुनने वाले उम्मीदवारों को १५० अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना होगा, जबकि गैर-सार्क देशों में रहने वाले उम्मीदवारों को २५० अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना होगा। यह पिछले साल की तुलना में ५० अमेरिकी डॉलर की वृद्धि है। हालांकि, भारत में केंद्रों के लिए जेईई एडवांस आवेदन शुल्क अपरिवर्तित रहेगा।

भारत में परीक्षा केंद्रों के लिए पंजीकरण शुल्क

भारतीय नागरिक : महिला उम्मीदवार (सभी श्रेणियां) : ₹१६००

एससी, एसटी और दिव्यांग उम्मीदवार: ₹१६००

अन्य सभी उम्मीदवार : ₹३२००

ओसीआई/पीआईओ कार्डधारक (०४-०३-२०२१ से पहले जारी):

महिला उम्मीदवार (सामान्य और सामान्य-दिव्यांग) : ₹१६००

ओपन (सामान्य-दिव्यांग) : ₹१६००, ओपन (सामान्य) : ₹३२००

विदेशी नागरिक और ओसीआई/पीआईओ कार्डधारक (०४-०३-२०२१ को या उसके बाद जारी):

सार्क देशों में रहने वाले उम्मीदवार: १०० अमेरिकी डॉलर

गैर-सार्क देशों में रहने वाले उम्मीदवार: २०० अमेरिकी डॉलर

विदेशी देशों में परीक्षा केंद्रों के लिए पंजीकरण शुल्क

भारतीय नागरिक और ओसीआई/पीआईओ कार्डधारक (०४-०३-२०२१ से पहले जारी). सभी : १५०

विदेशी नागरिक और ओसीआई/पीआईओ कार्डधारक (०४-०३-२०२१ को या उसके बाद जारी):

सार्क देशों में रहने वाले उम्मीदवार: १५० अमेरिकी डॉलर

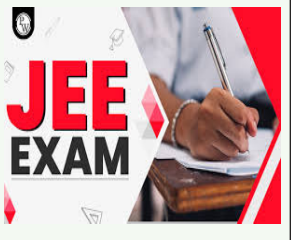

गैर-सार्क देशों में रहने वाले उम्मीदवार: २५० अमेरिकी डॉलर

१० शहरों का करना होगा चयन

जेईई एडवांस्ड २०२५ के लिए पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान, उम्मीदवारों को अपने परीक्षा केंद्र के लिए दस पसंदीदा शहरों का चयन करना होगा। हालांकि, उम्मीदवार की चुनी गई प्राथमिकताओं में से एक शहर आवंटित करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा, लेकिन ऐसे असाधारण मामले हो सकते हैं जहां एक अलग शहर आवंटित किया जाता है।

चैंपियंस ट्रॉफी- भारत-पाकिस्तान मैच २३ फरवरी को होगा

■ **आईसीसी ने न्यूट्रल वेन्यू दुबई चुना; भारत सेमीफाइनल-फाइनल में पहुंचा तो ये मैच भी यहीं होंगे**

मुंबई : चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान मैच २३ फरवरी को खेला जाएगा। यह महामुकाबला के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सूत्र ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी २०२५ में भारत के मैचों की मेजबानी के लिए संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर को न्यूट्रल वेन्यू के रूप में चुना गया है। शनिवार रात अध्यक्ष मोहसिन नकवी और के मंत्री शेख नाहयान अल मुबारक के बीच बैठक हुई।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला १९ फरवरी को मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा। फाइनल ९ मार्च को लाहौर में होगा। टीम इंडिया का पहला मैच २० फरवरी को बांग्लादेश से होगा। टीम इंडिया अगर नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करती है तो सेमीफाइनल और फाइनल भी दुबई में होंगे।

भारत का पहला मुकाबला २० फरवरी को होगा

भारतीय टीम का पहला मुकाबला २० फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा, जबकि आखिरी मुकाबला २ मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। दोनों सेमीफाइनल (४ और ५ मार्च) व फाइनल के लिए एक रिजर्व डे भी रखा गया है।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत आई थी पाकिस्तान टीम

पाकिस्तान की टीम पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। तब इंडिया और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद में १४ अक्टूबर को मुकाबला खेला गया था। इस मैच को भारतीय टीम ने ७ विकेट से जीता था। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी जमाई थी। जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने १९ रन देकर २ विकेट लिए थे।

२००८ में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी टीम इंडिया: टीम इंडिया ने २००८ में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। ३ टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने १-० से जीता था। इस सीरीज के २ मैच ड्रॉ रहे थे।

१५ में से ५ मैच यूएई में होंगे

८ टीमों के बीच १५ मैच का टूर्नामेंट १९ फरवरी से शुरू होकर ९ मार्च तक चलना है। भारत अपने तीनों ग्रुप स्टेज मैच में खेलेगा। अगर भारत क्वालीफाई करता है तो यहां एक सेमीफाइनल और फाइनल भी खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट के बाकी १० मैच पाकिस्तान में हो सकते हैं। गुरुवार यानी १९ दिसंबर को की बैठक में तय हुआ था कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान के बजाय न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगा। साथ ही भारत में २०२७ तक होने वाले सभी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तानी टीम भी भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। भारत में २०२५ विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, २०२६ में टी-२० वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है।

मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को १३ साल बाद हराया

मेलबर्न : बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को १८४ रन से हरा दिया। मेलबर्न में भारतीय टीम को १३ साल बाद पराजय का सामना करना पड़ा है। टीम ने आखिरी सेशन में ७ विकेट २०.३ ओवरों में गंवा दिए। ३४० रन के टारगेट का पीछा करने उतरी भारतीय टीम १५५ पर सिमट गई।

सोमवार को कई रिकॉर्ड्स बनें। साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया देशों में बुमराह सबसे ज्यादा ५ विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। २०२४ में जायसवाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं।

रोहित शर्मा और सचिन तेंदुलकर ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने एक सीजन में ५ या उससे ज्यादा मैच हारे हैं। २०२४-२५ में रोहित और १९९९-२००० में सचिन ने सीजन में ५-५ मैच हारे हैं। २०२४ में ६ बार भारत टेस्ट की एक पारी में १६० या उससे कम रन पर आउट हुई है, जो १९५२ और १९५९ के बाद एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक है।

मेलबर्न स्टेडियम में चौथे टेस्ट मैच के पांचों दिन मिलाकर ३ लाख ७३ हजार ६९१ दर्शकों की मौजूदगी दर्ज की गई। जो अब तक इस मैदान के लिए सबसे ज्यादा है। इससे पहले १९३७ में ३ लाख ५० हजार ५३४ लोग मैच देखने आए थे।

इंडिया विमेंस टीम ने तीसरा वनडे ५ विकेट से जीता

वडोदरा : भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को ५ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज पर ३-० से कब्जा जमाया। भारतीय टीम ने पहला मैच २११ और दूसरा ११५ रन से जीता था। ३ वनडे में १० विकेट लेने वालीं रेणुका सिंह ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए ३८.५ ओवर में १६२ रन पर ही सिमट गई। जवाब में भारत ने २८.२ ओवर में ५ विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने नाबाद ३९ रन बनाए और ६ विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हेनरी का अर्धशतक, दीप्ति को ६ विकेट

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए ३८.५ ओवर में १६२ रन बनाए। मैच के पहले ओवर में ही रेणुका सिंह ने दोनों ओपनर्स को आउट कर दिया। कीयाना जोसेफ और हेली मैथ्यूज बिना खाता खोले ही

आउट हुईं। टीम के लिए शिनेले हेनरी ने सबसे ज्यादा ६१ रन बनाए। शेमाइन कैम्पबेल ने ४६ रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने ६ विकेट झटके। रेणुका सिंह ने ४ विकेट लिए।

दीप्ति ने नाबाद ३९ रन बनाए

टारगेट चेज करते हुए भारत ने ५५ रन के स्कोर पर ३ विकेट गंवा दिए थे। स्मृति मंधाना ४, हरलीन देओल १ और प्रतिका रावल ने १८ रन बनाए। यहां से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ३२ रन और जेमिमा रोड्रिग्स ने २९ रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति ने ४८ गेंद पर ३९ और रिचा घोष ने ११ गेंद पर नाबाद २३ रन बनाए।

भारत ने ११५ रन से जीता था दूसरा वनडे

हरलीन ने पहली सेंचुरी लगाई प्रतिका के आउट होने के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हरलीन के साथ पारी संभाली। हरमन १८ बॉल पर २२ रन ही बना सकीं। उनके बाद जेमिमा रोड्रिग्ज ने हरलीन के साथ ११६ रन की पार्टनरशिप की। हरलीन ने अपने वनडे करियर की पहली सेंचुरी लगाई, वह ११५ रन बनाकर आउट हुईं।

जेमिमा ने भी तेजी से फिफ्टी लगा दी, वह ५२ रन बनाकर आउट हुईं। आखिर में ऋचा घोष ने १३ और दीप्ति शर्मा ने ४ रन बनाकर स्कोर ३५८ रन तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज से डिएंड्रा डॉटिन, एफी फ्लेचर, जायदा जेम्स और किआना जोसेफ ने १-१ विकेट लिया। टीम ने २३ एक्स्ट्रा रन दिए।

ली के शतक के बावजूद कैरिबियाई टीम हारी ३५९ रन का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने ओपनर जोसेफ का विकेट मात्र २० रन पर गंवा दिया। एक समय टीम का स्कोर ४ विकेट खोकर ६९ रन हो गया, लेकिन दूसरे छोर पर खेल रहीं कप्तान हैली मैथ्यूज ने शानदार पारी खेली। उन्होंने अपने करियर का सातवां शतक लगाते हुए १०६ रन बनाए। उन्होंने १३ चौके लगाए।

भारत की तरफ से प्रिया मिश्रा ने सबसे ज्यादा ३ विकेट लिए। उन्होंने जायदा जेम्स, विलियम्स और रामहरक को आउट किया। कप्तान हैली मैथ्यूज को प्रतिका रावल ने आउट किया। उन्होंने २ बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। तितास साधु और दीप्ति शर्मा ने भी २-२ विकेट लिए। भारत ने २११ रन से जीता था पहला वनडे सीरीज के पहले मैच में रविवार को भारत ने अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को २११ रन से हराया था। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना के ९१ रन की मदद से ९ विकेट खोकर ३१४ रन बनाए।